085/X/SA2/06/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले के विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से सम्बन्धित प्रत्येक कार्य, सफ़ाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है - बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुत: चोर है। महात्मा गाँधी का समस्त जीवन-दर्शन श्रम-सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्त्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियन्त्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि रोकना हमारे वश की बात हो रही है।

(i) ऋषि-मुनियों ने श्रम नहीं करने वाले को क्या माना है?
- (क) धर्म करनेवाला
- (ख) पाप करनेवाला
- (ग) पवित्र रहने वाला
- (घ) चोरी करने वाला

(ii) गाँधी जी किस बात पर बल देते थे?
- (क) अपना काम दूसरों से करवाने पर
- (ख) अपना काम स्वयं करने पर
- (ग) अपना काम सेवकों से करवाने पर
- (घ) अपना काम नहीं करने पर

(iii) 'समस्त' शब्द का अर्थ है :
- (क) विकसित
- (ख) संपूर्ण
- (ग) महत्त्वपूर्ण
- (घ) अविकसित

(iv) 'महात्मागाँधी का समस्त जीवन-दर्शन श्रम-सापेक्ष था' का आशय है :
- (क) महात्मा गाँधी के सभी विचार श्रम पर आधारित थे।
- (ख) महात्मा गाँधी श्रम की बजाय दर्शन को महत्त्व देते थे।
- (ग) महात्मा गाँधी जीवन में श्रम को महत्त्व देते थे।
- (घ) महात्मा गाँधी विचार की अपेक्षा श्रम को महत्त्व देते थे।

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा :
- (क) श्रम : जीवन का आधार
- (ख) श्रमहीनता के दुष्परिणाम
- (ग) श्रम की आवश्यकता
- (घ) महात्मागाँधी के श्रम-संबंधी विचार

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचे है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करे। ये बातें आत्ममर्यादा के लिए आवश्यक हैं. यह सारा संसार, जो कुछ हम हैं और जो कुछ हमारा है - हमारा शरीर, हमारी आत्मा, हमारे कर्म, हमारे भोग, हमारे घर की और बाहर की दशा, हमारे बहुत-से अवगुण और थोड़े गुण, सब इसी बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए। दब्बूपन कायरता है। इसमें व्यक्ति

दूसरों की कृपा पाने की इच्छा रखता है, जिससे उसमें आत्मविश्वास की कमी हो जाती है। इरादे कमज़ोर हो जाते हैं। नम्रता से अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह ताकता है, जिससे उसका संकल्प क्षीण और उसकी प्रज्ञा मन्द हो जाती है, जिसके कारण वह आगे बढ़ने के समय भी पीछे रहता है और अवसर आने पर चटपट किसी बात का निर्णय नहीं कर सकता। मनुष्य का बेड़ा अपने ही हाथ में है, उसे वह चाहे जिधर ले जाए। सच्ची आत्मा वही है जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच, अपनी राह स्वयं निकालती है।

(i) आत्ममर्यादा से क्या अभिप्राय है?
- (क) अपने कर्म पर नियन्त्रण रखना
- (ख) अपनी आत्मा पर नियन्त्रण रखना
- (ग) अपनी मर्यादा में रहना
- (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) प्रज्ञा मंद पड़ने का आशय है :
- (क) दब्बूपन का होना
- (ख) शारीरिक कमज़ोरी
- (ग) सोचने-समझने की शक्ति कम होना
- (घ) मर्यादा न होना।

(iii) दब्बूपन को कायरता क्यों माना गया है?
- (क) इससे व्यक्ति सदा दूसरों की कृपा पाने की इच्छा करता है।
- (ख) इससे परिवार में दबदबा खत्म हो जाता है।
- (ग) इससे विनम्रता आ जाती है।
- (घ) इससे व्यक्ति सदा डरा-डरा सा रहता है।

(iv) सच्ची आत्मा किसे माना है :
- (क) जो प्रत्येक दशा में सच बोलती है।
- (ख) जो प्रत्येक स्थिति में स्थिर रहती है।
- (ग) जो हर एक को समान समझती है।
- (घ) जो हर स्थिति में अपनी राह स्वयं ढूँढ़ती है।

(v) उपसर्गयुक्त शब्द है :
- (क) योग्यता
- (ख) दब्बूपन
- (ग) अवगुण
- (घ) कोमलता

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

वह आता -
दो टूक कलेजे के करता, पछताता
पथ पर आता
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी-भर दाने को - भूख मिटाने को,
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता -
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी हैं, सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,

और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओठ जब जाते
दाता भाग्य-विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रही जूठी पत्तल, वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।

(i) 'दो टूक कलेजे के करता' - का आशय है :
(क) भूख की व्यथा को सहन नहीं कर सकता
(ख) कमज़ोरी के कारण चल नहीं सकता।
(ग) लाठी की सहायता के बिना चल नही सकता
(घ) देखने वाले के दिल को ठेस पहुँचाता है।

(ii) काव्यांश में चित्रण हुआ है?
(क) सामाजिक विषमता का
(ख) मनुष्य के भाग्य का
(ग) लोगों की सोच का
(घ) भाग्य-विधाता की सोच का

(iii) 'आँसू के घूँट पीकर रह जाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) स्नेह के कारण आँसू पी लेना।
(ख) भूख मिटाने के लिए आँसू पी लेना।
(ग) अदृश्य स्नेह प्रकट करना
(घ) विवशता में अपमान सहना

(iv) बच्चे आँसुओं के घूँट पीकर क्यों रह जाते हैं?
(क) भूख के कारण
(ख) लोगों की दानशीलता के कारण
(ग) लोगों के दुत्कारने और अनदेखा करने के कारण
(घ) बीमारी के कारण

(v) काव्यांश का उचित शीर्षक होगा :
(क) भिक्षुक
(ख) भाग्य-विधाता
(ग) आँसू के घूँट पीनेवाला
(घ) फटी-पुरानी झोली वाला

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज़ संघर्ष ही।
संघर्ष से हट कर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृन्त से झर कर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल सका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना, जीत उसकी ही रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने-आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इन्सान, है सन्देश जीवन का यही
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
हमने रचा आओ हमीं अब तोड़ दें इस प्यार को।
यह क्या मिलन, मिलना वही जो मोड़ दे मँझधार को।
जो साथ फूलों के चले।
जो ढाल पाते ही ढले।
वह ज़िन्दगी क्या ज़िन्दगी जो सिर्फ पानी-सी बही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

(i) 'अपने आप से लड़ने' का तात्पर्य है :
(क) अपने लोगों को संघर्षशील बनाना
(ख) संघर्ष की आदत डालना
(ग) परिस्थितियों से संघर्ष करना
(घ) अपनी गलतियों से सीखना

(ii) काँटे और कलियाँ किसके प्रतीक हैं ?
(क) संकट और परेशानियाँ
(ख) दुख और सुख
(ग) निराशा और आशा
(घ) पीड़ा और आनंद

(iii) कवि के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है :
(क) संघर्ष
(ख) जीवन
(ग) सुख
(घ) लक्ष्य

(iv) "वह ज़िन्दगी क्या ज़िन्दगी जो सिर्फ़ पानी-सी बही" का आशय है :
(क) शान्ति और वैराग्य की ज़िन्दगी व्यर्थ है।
(ख) निष्क्रिय जीवन व्यर्थ है।
(ग) दुखों से भरा जीवन व्यर्थ है।
(घ) आराम और सुख का जीवन व्यर्थ है।

(v) निम्नलिखित में फूल का पर्यायवाची नहीं है :
(क) सुमन
(ख) प्रसून
(ग) कुसुम
(घ) जलज

खंड - ख

5. (i) 'वह सप्ताह के अन्त तक वापस लौटेगा' - वाक्य में रेखांकित पदबन्ध है : **1**

(क) क्रिया विशेषण

(ख) सर्वनाम

(ग) संज्ञा

(घ) विशेषण

(ii) 'दिल्ली में रहने वाला मेरा भाई, कलकत्ता चला गया'। वाक्य में संज्ञा पदबन्ध है : **1**

(क) दिल्ली में

(ख) दिल्ली में रहने वाला मेरा भाई

(ग) मेरा भाई कलकत्ता

(घ) दिल्ली में रहने वाला

(iii) एवरेस्ट संसार का सबसे ऊँचा शिखर है - वाक्य में रेखांकित का पदपरिचय है __________। **1**

(क) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन,

(ख) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एक वचन

(घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एक वचन

(iv) हम बाज़ार गए, परन्तु वहाँ कोई न मिला - वाक्य में रेखांकित का पद परिचय है : **1**

(क) समुच्चयबोधक, व्यधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ता है।

(ख) अव्यय, क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, 'न मिला' क्रिया-विशेष्य

(ग) समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, दो शब्दों को जोड़ता है।

(घ) समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ता है।

6. (i) तुम महान हो क्योंकि सच बोलते हो - रचना के आधार पर वाक्य भेद है : **1**

(क) सरल

(ख) संकेतवाचक

(ग) संयुक्त

(घ) मिश्र

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है : **1**

(क) मैंने कबीर को पढ़ाया - लिखाकर और आत्मनिर्भर बनाया।

(ख) मैंने कबीर को पढ़ा-किखाकर आत्मनिर्भर बनाया।

(ग) जब मैंने कबीर को पढ़ाया-लिखाया तब वह आत्मनिर्भर बना।

(घ) मैंने कबीर को पढ़ने-लिखने पर आत्मनिर्भर बनाना।

(iii) 'मैने एक व्यक्ति देखा। वह बहुत दुबला-पतला था।' वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है। **1**

(क) मैंने एक व्यक्ति देखा लेकिन वह बहुत दुबला-पतला था।

(ख) मैंने एक बहुत दुबले-पतले व्यक्ति को देखा।

(ग) मैंने एक व्यक्ति को देखा जो बहुत दुबला-पतला था।

(घ) मैंने एक व्यक्ति देखा और वह बहुत दुबला-पतला था।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटकर लिखिए। 1

(क) चोर चोरी करके भागने के कारण पकड़ा गया।

(ख) यदि तुम निराश न हुए तो अवश्य मैच जीत लोगे।

(ग) गली में शोर हुआ और सब लोग बाहर आ गए।

(घ) सविता ने जैसे ही कहानी सुनाई, विमला रो पड़ी।

7. (i) 'अभि+इष्ट' की संधि है : 1

(क) अभिष्ट

(ख) अभीष्ट

(ग) अभीष्ट

(घ) आभीष्ट

(ii) 'अत्यावश्यक' का सन्धि-विच्छेद है : 1

(क) अत्य+आवश्यक

(ख) अती+आवश्यक

(ग) अति+आवश्यक

(घ) अत्या+वश्यक

(iii) 'महान् है जो विद्यालय' का समस्त पद है : 1

(क) महोविद्यालय

(ख) महत् विद्यालय

(ग) महान् विद्यालय

(घ) महाविद्यालय

(iv) युद्धक्षेत्र का सही विग्रह है : 1

(क) युद्ध के लिए क्षेत्र

(ख) युद्ध का क्षेत्र

(ग) युद्ध में क्षेत्र

(घ) युद्ध और क्षेत्र

8. (i) 'नेताजी की अमानवीय बातों ने बाढ़ से पीड़ित लोगों के ....। 1
दिया'। - रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए।

(क) खून जलाना।

(ख) हेकड़ी जताना

(ग) घाव पर नमक छिड़कना

(घ) घाव भरना

(ii) घर के सभी बड़ों के बीच बैठे धर्मेश ने अपने बड़े भाई को ऐसी बात कही जो वह सभी को बुरी लगी। 1
इसी को कहते हैं ....।
रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) छोटा मुँह बड़ी बात

(ख) हाथ कंगन को आरसी क्या

(ग) ऊँची दुकान फ़ीका पकवान

(घ) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

(iii) 'निर्गुणी को कोई अमूल्य वस्तु अनायास प्राप्त होना'। **1**

इस अर्थ का बोध कराने वाली लोकोक्ति है :

(क) एक अनार सौ बीमार

(ख) अंधे के हाथ बटेर लगना

(ग) बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद

(घ) हथेली पर सरसों जमना

(iv) 'साये से भागने' मुहावरे का अर्थ है : **1**

(क) डर जाना

(ख) भटक जाना

(ग) सहम जाना

(घ) कोई संबंध न रखना

9. (i) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : **1**

(क) गाँधी जी ने सत्याग्रह आन्दोलन किया।

(ख) गाँधी जी ने सत्याग्रह आन्दोलन प्रारंभ किया।

(ग) गाँधी जीने सत्याग्रह आन्दोलन करा था।

(घ) गाँधी जी ने सत्याग्रह आन्दोलन किया था।

(ii) शुद्ध वाक्य छाँटकर लिखिए : **1**

(क) क्या आप गीता पढ़ोगे ?

(ख) हॉं, अपन गीता पढ़ेंगे।

(ग) जाओ, आप गीता पढ़ो।

(घ) क्या आप गीता पढ़ेंगे ?

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : **1**

(क) जितना गुड़ डालोगे उतना ही मीठा होगा।

(ख) कल सभा पर इसमें विचार होगा।

(ग) उसे पूरे अंक प्राप्त हुए।

(घ) वह दण्ड पाने के योग्य है।

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : **1**

(क) मेरा ध्यान अपनी माँ की ओर था।

(ख) वह अच्छे आदमी नहीं हैं।

(ग) दूध में कौन पड़ गया है।

(घ) सीता की आँख से आँसू बह रहा है।

खंड - ग

10. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर, नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प लिखिए। **1x5=5**

जलते नभ में देख असंख्यक,
स्नेहहीन नित कितने दीपक;
जलमय सागर का उर जलता,
विद्युत ले घिरता है बादल!
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल!

(i) काव्यांश में दीपक किसका प्रतीक है?

(क) भावों का (ख) दीयों का

(ग) लोगों का (घ) तारों का

(ii) बादलों की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है?

(क) गरजने का

(ख) आशा की चमकने का

(ग) कालिमा का

(घ) बरसने का

(iii) सागर का उर जलने की कल्पना क्यों की गई है?

(क) बिजली के कड़कने का प्रतिबिम्ब देखकर

(ख) सागर में चाँद का प्रतिबिम्ब देखकर

(ग) सागर में तारों का प्रतिबिम्ब देखकर

(घ) सागर की उठती हुई लहरों की चमक देखकर

(iv) तारों को स्नेहहीन क्यों कहा है?

(क) क्योंकि उनके जीवन का कोई लक्ष्य नहीं है।

(ख) क्योंकि उनके हृदय में असीम से मिलने की आकांक्षा नहीं है।

(ग) क्योंकि वे किसी से प्रेम नहीं करते।

(घ) क्योंकि उनका प्रकाश किसी का पथ प्रदर्शित नहीं करता।

(v) कवयित्री ने दीपक को विहँस-विहँस कर जलने को क्यों कहा है?

(क) की प्रसन्नता का वातावरण होना अच्छा है।

(ख) वह चाहती है कि उसकी आस्या दिन - प्रतिदिन अधिक उत्साह और उमंग से बढ़े।

(ग) उसकी भक्तिभावना और अधिक दृढ़ होगी।

(घ) लोगों को रास्ता दिखाई देगा।

अथवा

विचार लो कि मर्त्य हो, न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिस,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे॥

(i) 'मर्त्य' का अर्थ है :

(क) मरा हुआ

(ख) मरणशील

(ग) मुर्दा

(घ) मरियल

(ii) कवि ने कैसी मृत्यु को 'सुमृत्यु' माना है?

(क) जो परोपकार में रत रहते हुए हो

(ख) जो मरने से पहले वैभवपूर्ण जीवन जिए

(ग) जो सांसारिक मोह-माया में बँधकर न हो

(घ) जो अपने लिए जीते हुए हो

(iii) कवि के अनुसार पशु-प्रवृत्ति क्या है?

(क) अपने साथियों के साथ चरना

(ख) दूसरों की सहायता करना

(ग) घास खाना

(घ) केवल स्वार्थ हेतु कार्य करना

(iv) उस मनुष्य का नरना वृथा नहीं माना जाता है।

(क) जो अपने लिए मरे

(ख) जो देश की रक्षा के लिए नहीं मरे

(ग) जिसकी मृत्यु के बाद कोई याद न करे

(घ) जो परोपकार के लिए मरे

(v) हमें मरने से क्यों नहीं डरना चाहिए?

(क) मानव जीवन दुर्लभ है।

(ख) मानव जीवन अनश्वर है।

(ग) मानव जीवन शाश्वत है।

(घ) मृत्यु अवश्यसम्भावी है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2½+2½=5**

(क) 'गिरगिट' कहानी के अन्त में भीड़ ख्यूक्रिन पर क्यों हँसने लगती है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए'। लेखक ने ऐसा क्यों कहा? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग) सवार ने क्यों कहा कि वज़ीरअली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है? 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

12. आपके विचार में कौन-से ऐसे मूल्य हैं, जो शाश्वत हैं? वर्तमान समय में इनकी प्रासंगिकता क्या है? **5**

अथवा

'कुत्ता जनरल साहब का है' - यह जानने के बाद ओचुमेलॉव के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया और क्यों? कारण सहित उत्तर दीजिए।

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

बढ़ती हुई आबादियों ने समन्दर को पीछे सरकाना शुरु कर दिया है, पेड़ों को रास्ते से हटाना शुरु कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरु कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरु कर दिया। अब गरमी में ज़्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असन्तुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से जा एक नमूना कुछ साल पहले बंबई (मुंबई) में देखने को मिला था और यह नमूना इतना डरावना था कि बम्बई निवासी डरकर अपने-अपने पूजास्थल में अपने खुदाओं से प्रार्थना करने लगे थे।

(क) बढ़ती आबादी का प्राकृतिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा? **2**

(ख) प्रदूषण के कारण प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन हुए? **2**

(ग) लेखक ने 'नेचर' के किस गुस्से का उल्लेख किया है? **1**

अथवा

कर्नल–जंगल की ज़िंगदी बड़ी खतरनाक होती है।

लेफ़्टीनेंट–हफ़्तों हो गए, यहाँ खेमा डाले हुए। सिपाही भी तंग आ गए हैं। ये वज़ीरअली आदमी है या भूत, हाथ ही नहीं लगता। कर्नल – उसके अफ़साने सुन के रॉबिनहुड के कारनामें याद आ जाते हैं। अंग्रेजों के खिलाफ़ उसके दिल में किस कदर नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेज़ी असर से बिलकुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था।

(क) कर्नल को जंगल की ज़िन्दगी खतरनाक क्यों लगती है? **2**

(ख) राबिनहुड कौन था? उसकी तुलना वज़ीरअली से क्यों की गई है? **2**

(ग) वज़ीरअली के अंग्रेजों के साथ कैसे सम्बन्ध थे? **1**

14. (क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता के माध्यम से कवि देशवासियों को क्या सन्देश देना चाहता है? **2**

(ख) 'विपदाओं से मुझे बचाओं यह मेरी प्रार्थना नहीं' इस कथन से कवि का क्या आशय है? 'आत्मत्राण' कविता के आधर पर स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) 'मनुष्य मात्र बन्धु है' से आप क्या समझते हैं? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए। **1**

15. टोपी और इफ़्फ़न अलग-अलग मज़हब और जाति के थे, पर दोनों एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए। **3**

अथवा

नयी श्रेणी में जाने और नई कापियों और पुरानी किताबों से आति विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता है? 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए।

16. हेडमास्टर शर्मा जी ने पी.टी. साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया? **2**

खंड - घ

17. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग **100** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **5**

(क) **मेट्रो रेल महानगरीय सुखद सपना :**

- महानगर की भीड़ और यातायात समस्या
- मेट्रो रेल से लाभ
- आगामी विस्तार की योजनाएँ

(ख) **अनुशासन का महत्त्व :**

- अनुशासन – क्या है?
- अनुशासन की आवश्यकता
- जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन

(ग) **विज्ञापन और हमारा जीवन :**

- विज्ञापन का अर्थ और उद्देश्य
- विज्ञापनों के प्रकार
- विज्ञापनों से लाभ और हानियाँ

18. दूरदर्शन के महानिर्देशक को पत्र लिखकर राष्ट्रीय एकता सम्बन्धी अच्छे कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए निवेदन कीजिए। 5

अथवा

किसी दैनिक समाचार पत्र के प्रधान संपादक को शहर में बढ़ती हुई बस-दुर्घटनाओं पर चिन्ता व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए।

- o O o -